अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

संग्रहित प्रदत्तों का विश्लेषण, सारणीयन तथा प्रस्तुतिकरण आदि अनुसंधान कार्य का महत्वपूर्ण अंग है। जिसे प्रयुक्त किये बिना शोधकार्य को विधिवत् प्रस्तुत करना संभव नहीं है।

जे. एच. पाईनकर कहते हैं "एक मकान का निर्माण पत्थरों से होता है किन्तु पत्थरों के ढ़ेर से नहीं वरन् जटिल पत्थरों को सुव्यस्थित रूप से रखने से होता है, वैज्ञानिक तथ्य का निर्माण भी तथ्यों के संकलन उपरान्त उचित विश्लेषण तथा व्याख्या द्वारा होता है।"

पी.वी.यूंग कहते हैं "संकलित तथ्यों के उचित संस्थिति संबंधों के रूप में व्यवस्थित कर विचारपूर्ण आधारशिला की स्थापना करना ही विश्लेषण है, अर्थात शोध का सृजनात्मक पक्ष है।"

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

(प्रश्नावली के आधार पर)

प्रस्तुत अध्याय में प्रदत्तों की जानकारी का विस्तृत विश्लेषण किया गया है, तथा प्राप्त विश्लेषण के आधार पर परिणामों की विस्तृत व्याख्या की गई है।

प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षकों के लिए प्रश्नावली के आधार पर प्राथमिक शिक्षकों द्वारा प्राप्त उत्तरों का सारणीयन निम्नलिखित प्रकार से किया गया है।

4.2.1 तालिका

लिंग के आधार पर प्रशासनिक कार्यो की सारणी –

(प्रतिशत में)

क्र.	प्रशासनिक कार्य	शिक्षक		शिक्षिका	
		हाँ (%)	नहीं (%)	हाँ (%)	नहीं (%)
1.	मध्यान्ह भोजन	88	12	100	0
2.	जनगणना	100	0	100	0
3.	पल्सपोलियो	76	24	68	32
4.	मतदाता सूची	100	0	92	8
5.	प्रौढ़ शिक्षा तथा साक्षरता	84	16	84	16
6.	पशुगणना	36	64	36	64
7.	B.P.L. सर्वेक्षण	52	48	56	44
8.	परिवार नियोजन जानकारी	96	4	80	20
9.	चुनावी कार्य	100	0	80	20
10	आकस्मिक उत्पन्न बीमारियां तथा प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी	84	16	92	8

N = 25

$$\% = \frac{F}{N} x100$$

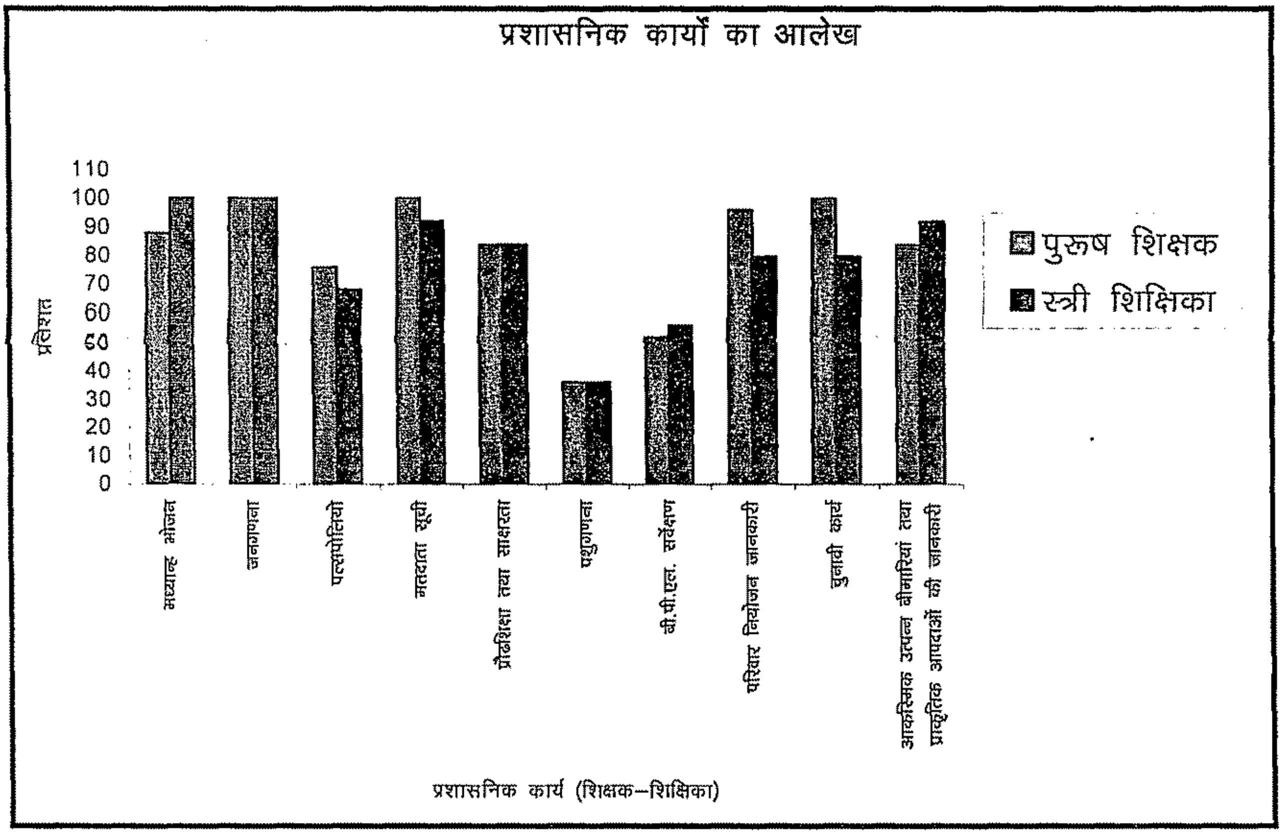

तालिका क्रमांक 1 का विश्लेषण

उपरोक्त तालिका से यह ज्ञात होता है कि :–

- प्राथमिक स्कूलों में चल रहे मध्यान भोजन कार्यक्रम का कार्य शिक्षक 88% करते है 12% नहीं करते तथा शिक्षिकाओं ने 100 प्रतिशत धनात्मक मत प्रदर्शित किया है।
- जनगणना करने का कार्य 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत धनात्मक प्रदर्शित किया है तथा 100 प्रतिशत शिक्षिकाओं को भी यह कार्य करना पड़ता है।
- पल्सपोलियो देने का कार्य 76 प्रतिशत शिक्षक करते है 24 प्रतिशत नकारात्मक मत पाये गये है तथापि शिक्षिका 68 प्रतिशत करती है, 32 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने यह कार्य करने को नकार दिया है।
- मतदाता सूची बनाने का कार्य करने के लिए 100 प्रतिशत शिक्षकों ने सकारात्मक विचार प्रदर्शित किया है और 92 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने

यह कार्य करने को धनात्मक मत दिया। 8 प्रतिशत नकारात्मक विचार प्रदर्शित किया गया है।

- प्रौढ़ शिक्षा तथा साक्षरता करने का कार्य शिक्षक 84 प्रतिशत करते है, 16 प्रतिशत नकारात्मक मत पाये गये है और शिक्षिकाओं का भी मत इस कार्य के प्रति समान पाया गया है।

- पशुगणना करने का कार्य करने के प्रति शिक्षक शिक्षिकाओं ने 36 प्रतिशत सकारात्मक दिया है तथा 64 प्रतिशत मत नकारात्मक पाये गये है। शिक्षक-शिक्षिकाओं में इस कार्य के प्रति समान मत पाये गये है।

- बी.पी.एल. सर्वेक्षण करने का कार्य शिक्षक 52 प्रतिशत करते पाये गये किन्तु 48 प्रतिशत शिक्षक नहीं करते, तथापी 56 प्रतिशत शिक्षिका यह कार्य करती है 44 प्रतिशत शिक्षिका यह कार्य नहीं करती।

- परिवार नियोजन की जानकारी देने का कार्य 96 प्रतिशत शिक्षक करते है 4 प्रतिशत नहीं करते तथा शिक्षिका 80 प्रतिशत यह कार्य करती है 20 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने इस कार्य के प्रति नकारात्मक विचार प्रदर्शित किया है।

- चुनावी कार्य में सहभागी शिक्षक 100 प्रतिशत पाये गये है किन्तु शिक्षिका 80 प्रतिशत यह कार्य करती है 20 प्रतिशत नहीं करती।

- आकस्मिक उत्पन्न बिमारियां तथा प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने कार्य 84 प्रतिशत शिक्षक करते है 16 प्रतिशत नहीं करते तथा 92 प्रतिशत शिक्षिका यह कार्य करती है और 8 प्रतिशत शिक्षिका यह कार्य नहीं करती।

4.2.2 तालिका

शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर प्रशासनिक कार्यो की सारणी

(प्रतिशत में)

क्र.	प्रशासनिक कार्य	शहरी (शिक्षक–शिक्षिका)		ग्रामीण (शिक्षक–शिक्षिका)	
		हाँ (%)	नहीं (%)	हाँ (%)	नहीं (%)
1.	मध्यान्ह भोजन	92	8	96	4
2.	जनगणना	100	–	100	–
3.	पल्सपोलियो	64	36	80	20
4.	मतदाता सूची	100	–	92	8
5.	प्रौढ़शिक्षा तथा साक्षरता	76	24	92	8
6.	पशुगणना	28	72	44	56
7.	B.P.L. सर्वेक्षण	60	40	48	52
8.	परिवार नियोजन जानकारी	84	16	92	8
9.	चुनावी कार्य	100	–	80	20
10	आकस्मिक उत्पन्न बीमारियाँ तथा प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी	88	12	88	12

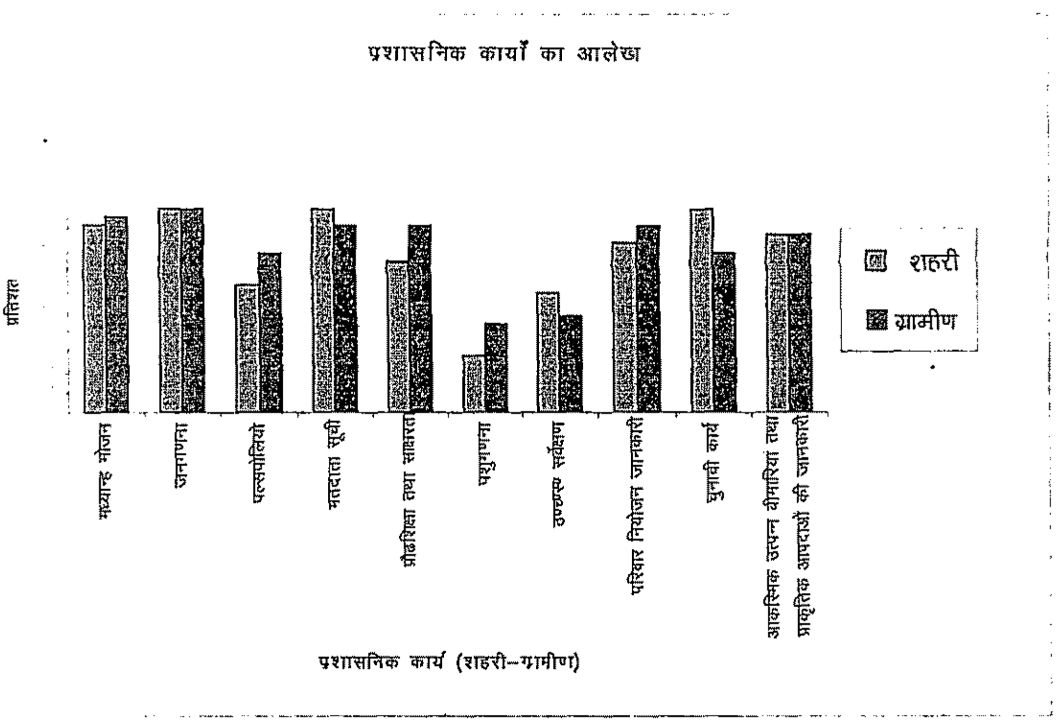

तालिका क्र. 2 का विश्लेषण

उपरोक्त तालिका से यह ज्ञात होता है कि

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर 92 प्रतिशत शिक्षकों को मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में सहयोग देना पड़ता है, ग्रामीण क्षेत्र में 96 प्रतिशत शिक्षकों को इस कार्य में मदद करनी पड़ती है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र में 100 प्रतिशत शिक्षकों को जनगणना कार्य करना पड़ता है और ग्रामीण क्षेत्र में भी 100 प्रतिशत शिक्षकों को इस कार्य में सहयोग देना पड़ता है। यह कार्य शहरी–ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षकों को समान तौर पे करना पड़ता है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र में 64 प्रतिशत शिक्षकों ने यह राय दी है कि वो पल्स पोलियो लशीकरण का कार्य करते है 36 प्रतिशत मत इसके विपरीत पाये गये है। तथा 80 प्रतिशत शिक्षकों को ग्रामीण क्षेत्र में यह कार्य करना पड़ता है। 20 प्रतिशत मत इसके विपरीत पाये गये है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर 100 प्रतिशत शिक्षकों ने यह राय दी है कि मतदाता सूची संशोधन का कार्य उनको करना पड़ता है, और 92 प्रतिशत शिक्षकों को ग्रामीण क्षेत्र में यह कार्य करना पड़ता है 8 प्रतिशत मत इसके विपरीत पाये गये है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र में 76 प्रतिशत शिक्षकों ने यह राय दी है उनको साक्षरता तथा प्रौढ़शिक्षा का कार्य करना पड़ता है, 24 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विरीत मत दिये है, ग्रामीण क्षेत्र में 92 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना धनात्मक मत प्रदर्शित किया है, 8 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत मत दिया हैं।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र में 28 प्रतिशत शिक्षकों ने अपनी धनात्मक राय दी है कि उनको पशु गणना करने का कार्य करना पड़ता है। 72 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत मत दर्शाया है। ग्रामीण क्षेत्र में 44 प्रतिशत शिक्षकों ने सकारात्मक मत दर्शाया है 56 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत अपना मत दर्शाया हैं

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र में 60 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना बी.पी.एल. सर्वेक्षण कार्य के प्रति धनात्मक मत बताया, 40 प्रतिशत शिक्षकों ने विपरीत मत दर्शाया ग्रामीण क्षेत्र में 48 प्रतिशत शिक्षकों ने इस कार्य के प्रति सकारात्मक विचार दिये है, 52 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत विचार दर्शाये है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र में 84 प्रतिशत शिक्षक परिवार नियोजन की जानकारी देने का कार्य करते है 16 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत अपना मत दर्शाया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में 92 प्रतिशत शिक्षकों ने इस कार्य के प्रति सकारात्मक मत दिया है, 8 प्रतिशत मत इसके विपरीत पाये गये है।

- शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर, शहरी क्षेत्र में 100 प्रतिशत शिक्षकों ने चुनावी कार्य के प्रति अपना सकारात्मक मत दिया हैं ग्रामीण क्षेत्र में 80 प्रतिशत शिक्षकों ने इस कार्य के प्रति धनात्मक मत दिया है, 20 प्रतिशत मत इसके विपरीत पाये गये है।

- शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र में 88 प्रतिशत शिक्षकों ने आकस्मिक उत्पन्न बीमारियां तथा प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने का कार्य करते है ऐसा मत दिया है, 12 प्रतिशत मत इसके विपरीत पाये गये है। ग्रामीण क्षेत्र में 88 प्रतिशत शिक्षकों ने इस कार्य के प्रति सकारात्मक मत दिया है 12 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत मत दिया है।

अध्यापन पर प्रभाव (शिक्षक–शिक्षिका)

4.2.3 तालिका

लिंग के आधार पर प्रशासनिक कार्यो का अध्यापन पर पड़ने वाला प्रभाव की सारणी :–

(प्रतिशत में)

क्र.	प्रशासनिक कार्य	शिक्षक		शिक्षिका	
		हाँ(%)	नहीं(%)	हाँ (%)	नहीं(%)
1	परिवार नियोजन की जानकारी	96	4	96	4
2	मतदाता सूची	100	–	100	–
3	साक्षरता तथा प्रौढ़ शिक्षा	96	4	92	8
4	बी.पी.एल. सर्वेक्षण	92	8	96	4
5	चुनावी कार्य	100	–	100	–
6	जनगणना कार्य	96	4	100	–
7	आकस्मिक उत्पन्न बीमारियां तथा प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी	92	8	96	4
8	मध्यान्ह भोजन	100	–	100	–
9	बढ़ते पर्यवेक्षण, वित्त एवं लेखा कार्य	96	4	100	–
10	बढ़ते प्रशासनिक कार्य	100	–	100	–
11	वाचन लेखन कार्यक्रम	96	4	100	–
12	अशैक्षिक कार्य	100	–	100	–
13	अन्य शिक्षकों के प्रशानिक कार्यो की जिम्मेदारी	92	8	100	–

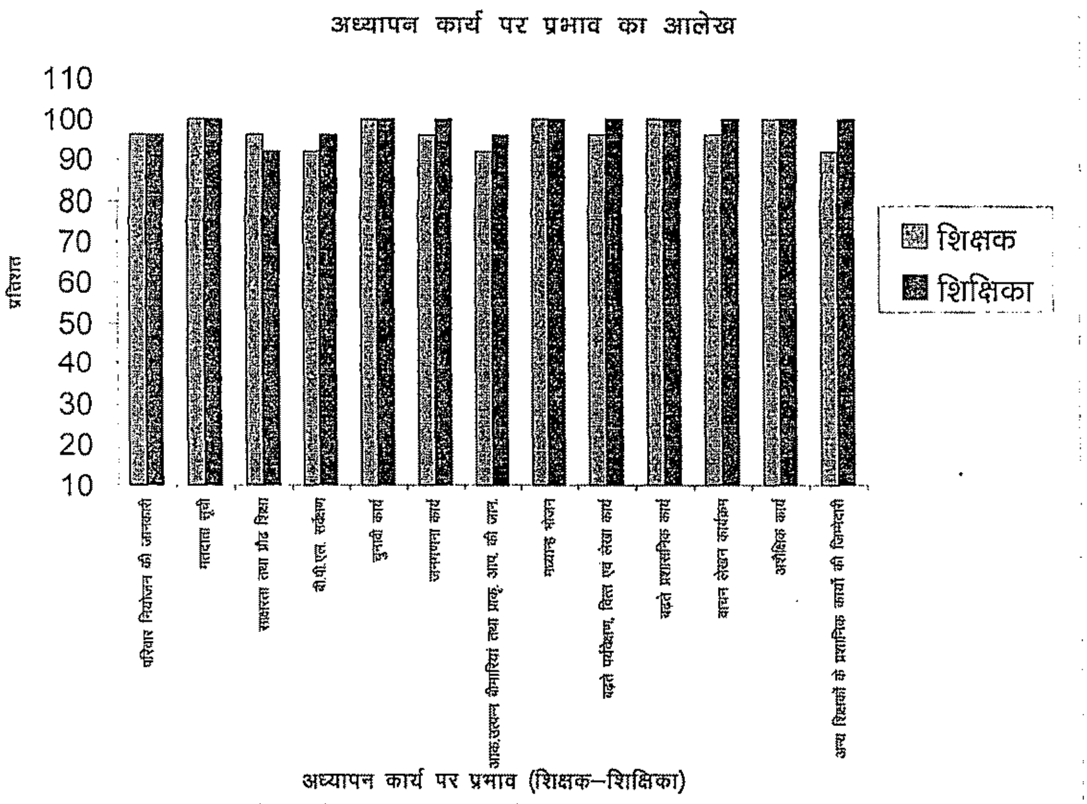

तालिका क्र. 3 का विश्लेषण

उपरोक्त तालिका से यह ज्ञात होता है कि,

- 96 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि, परिवार नियोजन की जानकारी देने का कार्य करने से हमारा अध्यापन कार्य प्रभावित होता है, 96 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने भी अपना यही मत दिया है। यह कार्य करने से शिक्षक-शिक्षिकाओं के अध्यापन पर समान प्रभाव पड़ता है।

- मतदाता सूची संशोधन करने का कार्य करने से अध्यापन कार्य खंडित होता है यह मत 100 प्रतिशत शिक्षकों ने दिया है, 100 प्रतिशत शिक्षिक़ाओं ने भी यही मत प्रतिपादित किया है। इस कार्य का समान तौर पर शिक्षक शिक्षिकाओं के अध्यापन पर प्रभाव पड़ता है।

- 96 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत प्रदिर्शत किया है कि साक्षरता तथा प्रौढ़शिक्षा का कार्य करने से अध्यापन कार्य प्रभावित होता है 4

प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत मत दिया है। 92 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने अपना मत दिया है कि यह कार्य का अध्यापन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। 8 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने इसके विपरीत मत दिया है।

- बी.पी.एल. सर्वेक्षण कार्य का 92 प्रतिशत शिक्षकों के अध्यापन कार्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है, 8 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विरूद्ध अपना मत दिया है तथा 96 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने यह मत दिया है कि यह कार्य अध्यापन को प्रभावित करता है, 4 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने इसके विपरीत अपना मत दिया है।

- 100 प्रतिशत शिक्षकों ने यह मत दिया है कि चुनावी कार्य करने से अध्यापन कार्य प्रभावित होता है तथा 100 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने भी अपना यही मत प्रदर्शित किया है।

- जनगणना का कार्य करने से अध्यापन पर बुरा प्रभाव होता है, यह मत 96 प्रतिशत शिक्षकों ने दिया है, 4 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत मत प्रदर्शित किया है। तथा 100 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने भी यही मत दिया है की, जनगणना का कार्य अध्यापन को प्रभावित करता है।

- 92 प्रतिशत शिक्षकों की यह मत है की, आकस्मिक उत्पन्न बिमारियां तथा प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने का कार्य करने से अध्यापन कार्य खंडित होता है, तथा 96 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने भी अपना धनात्मक मत दिया है।

- मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के कारण अध्यापन कार्य प्रभावित होता है ऐसा मत 100 प्रतिशत शिक्षकों ने दिया है तथा 100 प्रतिशत शिक्षिकाओं से भी यही मत पाया गया हैं। यह कार्य करने से अध्याप्रन पर समाज रूप से बुरा प्रभाव पड़ता है ये मालूम होता है।

- बढ़ते पर्यवेक्षण वित्त एवं लेखाकार्य के कारण अध्यापन कार्य करने में कठिनाई आती है ऐसा मत 96 प्रतिशत शिक्षकों ने दिया है तथा 100 प्रतिशत शिक्षिकाओं से भी यही मत पाया है।

- 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत दिया है की, बढ़ते प्रशासनिक कार्यो के कारण पाठ्यक्रम पुरा करने में समस्या आती है। तथा 100 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने भी अपना यही मत प्रदर्शित किया है। बढ़ते प्रशासनिक कार्यो से पाठ्यक्रम पूरा नहीं होता ये शिक्षक शिक्षिकाओं का मत है।

- वाचन लेखन कार्यक्रम के कारण हमको शारीरिक तथा मानसिक परेशानी होती है ऐसा मत 96 प्रतिशत शिक्षकों ने प्रदर्शित किया है। तथा 100 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने अपना सकारात्मक मत दिया है।

- 100 प्रतिशत शिक्षकों का मत है कि अशैक्षिक कार्य करने से अध्यापन कार्य प्रभावित होता है। 100 प्रतिशत शिक्षिकाओ ने भी अपना धनात्मक मत प्रदर्शित किया है।

- अन्य शिक्षकों के प्रशासनिक कार्यो की जिम्मेदारी हम पर थोप दी जाती है इसके कारण हमारा अध्यापन कार्य प्रभावित होता है ऐसा मत 92 प्रतिशत शिक्षकों ने दिया तथा 100 प्रतिशत शिक्षिकाओं ने अपना सकारात्मक मत दर्शाया है।

अध्यापक पर प्रभाव (ग्रामीण – शहरी)

4.2.4 तालिका

क्षेत्र के आधार पर प्रशासनिक कार्यों का अध्यापन पर पड़ने वाला प्रभाव की सारणी :–

(प्रतिशत में)

क्र.	प्रशासनिक कार्य	शहरी (शिक्षक–शिक्षिका)		ग्रामीण (शिक्षक–शिक्षिका)	
		हाँ (%)	नहीं (%)	हाँ (%)	नहीं (%)
1	परिवार नियोजन की जानकारी	92	8	100	–
2	मतदाता सूची	100	–	100	–
3	साक्षरता तथा प्रौढ़ शिक्षा	92	8	96	4
4	बी.पी.एल. सर्वेक्षण	96	4	92	8
5	चुनावी कार्य	100	–	100	–
6	जनगणना कार्य	96	4	100	–
7	आकस्मिक उत्पन्न बीमारियां तथा प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी	100	–	100	–
8	मध्यान्ह भोजन	100	–	100	–
9	बढ़ते पर्यवेक्षण, वित्त एवं लेखा कार्य	96	4	100	–
10	बढ़ते प्रशासनिक कार्य	100	–	100	–
11	वाचन लेखन कार्यक्रम	96	4	100	–
12	अशैक्षिक कार्य	100	–	100	–
13	अन्य शिक्षकों के प्रशानिक कार्यों की जिम्मेदारी	96	4	96	4

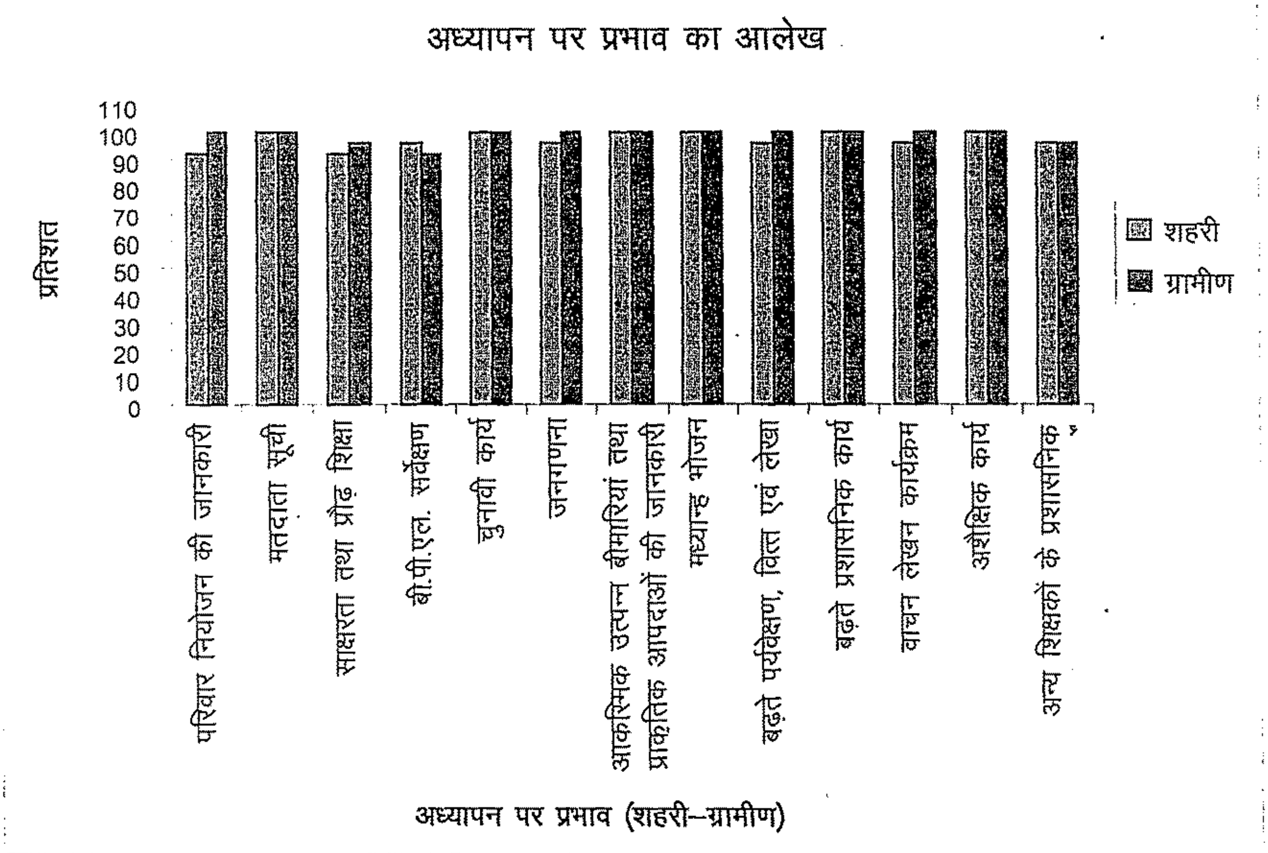

तालिका क्र. 4 का विश्लेषण

उपरोक्त तालिका से यह ज्ञात होता है कि,

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 92 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि, परिवार नियोजन की जानकारी देने का कार्य करने से अध्यापन कार्य प्रभावित होता है तथा ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपनी राय दी है की, यह कार्य करने से उनका अध्यापन कार्य प्रभावित होता है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना सकारात्मक मत दिया है कि, मतदाता सूची संशोधन कार्य करने से अध्यापन कार्य प्रभावित होता है, ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने भी अपना मत दिया है कि यह कार्य करने से

अध्यापन कार्य प्रभावित होता है। शहरी-ग्रामीण क्षेत्र में समान तौर पर अध्यापन कार्य प्रभावित होता है।

- शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 92 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना सकारात्मक मत दिया है की, साक्षरता तथा प्रौढ़ शिक्षा का कार्य करने से उनका अध्यापन कार्य प्रभावित होता है। ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर 96 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत दिया है की इस कार्य का उनके अध्यापन पर प्रभाव पड़ता है, 4 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत मत दिया है।

- शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 96 प्रतिशत शिक्षकों में अपना मत दिया है की बी.पी.एल. सर्वेक्षण का कार्य करने से अध्यापन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्र के 92 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि यह कार्य करने से अध्यापन प्रभावित होता है, 8 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत विपरीत बताया है।

- शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि चुनावी कार्य करने से अध्यापन कार्य प्रभावित होता है, ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत इस कार्य के बारे में सकारात्मक दिया हैं

- शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 96 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना सकारात्मक मत दिया है की जनगणना का कार्य करने से अध्यापन कार्य प्रभावित होता है। 4 प्रतिशत शिक्षकों ने इसके विपरीत मत दिया है। ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने इस कार्य के प्रति अपना सकारात्मक मत दिया है।

- शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत दिया है की आकस्मिक उत्पन्न बीमारियां तथा प्राकृतिक

आपदाओं की जानकारी देने का कार्य करने से अध्यापन कार्य के लिए समय नहीं दे पाते। ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों में अपना मत दिया है की यह कार्य करने से अध्यापन को समय नहीं दे पाते। शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर यह समान तौर पर प्रभावित होता है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना यह मत दिया है की मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के कारण अध्यापन कार्य प्रभावित होता है, ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने यह मत दिया है कि इस कार्य का अध्यापन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। शहरी–ग्रामीण क्षेत्र में इस कार्य का अध्यापन पर समान प्रभाव पड़ता है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 96 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना सकारात्मक मत दिया है कि बढ़ते पर्यवेक्षण वित्त एवं लेखाकार्य के कारण उनको अध्यापन कार्य करने में कठिनाई आती है। ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने भी अपना यही मत दिया है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 100 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि बढ़ते प्रशासनिक कार्यो के कारण उनको पाठ्यक्रम पूरा करने में समस्या आती हैं

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 96 प्रतिशत तथा ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना धनात्मक मत दिया है की वाचन लेखन कार्यक्रम के कारण उनको शारीरिक तथा मानसिक परेशानी होती है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 100 प्रतिशत तथा ग्रामीण क्षेत्र के 100 प्रतिशत शिक्षकों में अपना सकारात्मक मत प्रदर्शित किया है कि अशैक्षणिक कार्य करने से अध्यापन कार्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

- शहरी–ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के 96 प्रतिशत तथा ग्रामीण क्षेत्र के 96 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि अन्य शिक्षकों के प्रशासनिक कार्यो की जिम्मेदारी हम पर थोप दी जाती है उनके कारण हमको अध्यापन करने में कठिनाई आती है।

4.2.5 परिवार नियोजन की जानकारी देने से आपका अध्यापन किस प्रकार प्रभावित होता है?

परिवार नियोजन की जानकारी देने के लिए घर–घर जाकर परिवार के सदस्यों को परिवार नियोजन का महत्व उसके फायदे बताने पड़ते है। एक ही बात उनको बार–बार समझानी पड़ती हैं यह कार्य हमको अध्यापन कार्य को छोड़कर करना पड़ता है। शिक्षक अपने अध्यापन कार्य से विमुख होता जा रहा है, इसके कारण उनके अध्यापन पर प्रशासनिक कार्यो का बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

4.2.6 मतदाता सूची संशोधन कार्य करने से आपका अध्यापन किस प्रकार प्रभावित होता है?

शिक्षकों ने अपना यह मत दिया है कि, मतदाता सूची संशोधन कार्य करने के लिए अपने क्षेत्र के घर–घर मतदाता योग्य व्यक्ति को ढूंढ़ना पड़ता है। उनसे संबंधित आवेदन भरने पड़ते है, प्रमाण पत्र की जांच करनी पड़ती है बाद में उससे संबंधित दस्तावेज तहसील कार्यालय में भेजने पड़ते है। इस कार्य में हमारा बहुत सा समय निकल जाता है। शिक्षकों की ऊर्जा एवं क्षमताओं का सही इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। उसके कारण अध्यापन कार्य को समय नहीं दे पाते।

4.2.7 साक्षरता तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्य करने से आपका अध्यापन किस प्रकार प्रभावित होता है?

कुछी शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि, गांव के लोगों को साक्षर करने के लिए प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम चलाया जाता है। यह कार्य करनें के लिए हमारी नियुक्ति होती है। उसके कारण हमारी मानसिक स्थिति बिगड़ती जाती है इसका प्रभाव हमारे व्यवसाय एवं जीवन संतुष्टि पर पड़ता है। उसके कारण अध्यापन कार्य प्रभावित होता है।

4.2.8 बी.पी.एल. सर्वेक्षण के कार्य से आपका अध्यापन कार्य किस प्रकार प्रभावित होता है?

अधिकतर शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि गांव में घर–घर जाकर परिवार की संपत्ति की जानकारी प्राप्त करनी पड़ती है। यह जानकारी पूछने से लोगों को बुरा लगता है वो बताते नहीं या बताते भी तो बड़े गुस्से में आकर कभी–कभी तो लोगों की गालियां भी सुननी पड़ती है। इसके कारण हमारी मानसिक स्थिति बिगड़ती है। उसके कारण अध्यापन कार्य प्रभावित होता है। बार–बार गैर–शैक्षिक कार्यो से समुदाय में जाने से आम–आदमी की नजर में हमारे सम्मान, गरिमा, व्यक्तित्व व विश्वसनीयता में कमी आ रही है।

4.2.9 चुनावी कार्य के लिए नियुक्ति होने पर अध्यापन किस प्रकार प्रभावित होता है?

ज्यादातर शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि चुनावी कार्य के लिए नियुक्ति होने पर हमारे 4–5 दिन उस कार्य में चले जाते है। ग्रामपंचायत से लेकर लोकसभा के चुनावी कार्य हमको करने पड़ते है। इसमें हमारा ज्यादा समय जाता है, इसका हमारे अध्यापन पर विपरीत असर होता है। और अध्यापन कार्य प्रभावित होता है।

4.2.10 जनगणना कार्य के कारण अध्यापन किस प्रकार प्रभावित होता है?

जनगणना का कार्य करने के लिए शहर–गांव के हर घर में जाकर यह कार्य करना पड़ता है। बहुत से लोगों के घर बहुत दूर रहते है वहां जाकर यह कार्य करना पड़ता है। यह कार्य करने के लिए 3–4 महीने लगते है इसके कारण वर्गाध्यापन कार्य में खंड पड़ता है और इसका बुरा असर शिक्षा में गुणात्मकता तथा बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर होता है।

4.2.11 मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के कारण अध्यापन कार्य किस प्रकार प्रभावित होता है?

स्कूल में चल रहे मध्यान भोजन कार्यक्रम में हमारा सहयोग लिया जाता है। खाना पकाने के शुरू से, खाना पकाने, उसको बच्चों में बाटने तक सभी शिक्षकों को उस पर ध्यान देना पड़ता हैं। खाने की सभी चीजों का लेखाकार्य रखना पड़ता है। इसके कारण हमारा ज्यादा से ज्यादा समय इस पर ध्यान देने में जाता है। इससे हमको शारीरिक तथा मानसिक परेशानी होती है इसका बुरा प्रभाव अध्यापन कार्य पर होता है।

4.2.12 प्रशासनिक कार्यो में सहयोग लेने के कारण अध्यापन को समय नहीं मिलता? तो उस कार्य की पूर्ति आप किस प्रकार करते है?

ज्यादातर शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि, प्रशासनिक निर्णयों में शिक्षकों की भागीदारी नहीं होती तथा उन नीतियों में होने वाले बार–बार परिवर्तनों से पाठ्यक्रम पूरा नहीं होता। प्रशासनिक कार्यो का बोझ दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, इसके कारण हम अध्यापन नहीं कर पाते किन्तु बच्चों का नुकसान ना हो पाये इसलिए ज्यादा तास लेकर हम पाठ्यक्रम पूरा करते है।

4.2.13 प्रशासनिक कार्यो के प्रति शिक्षकों का मत।

100 प्रतिशत शिक्षकों ने अपना यह मत दिया है कि प्रशासकीय कार्य शिक्षकों को नहीं देना चाहिए। उनका मत यह है कि पूर्व माध्यमिक

शिक्षक अध्यापन कार्य में कम और अन्य कार्यो में अधिक व्यस्त रखे जाते है। उनसे चुनाव, जनगणना, पशुगणना, पल्स पोलियो अभियान, मतगणना, सिंचित एवं असिंचित भूमि का आकलन कराया जाता है इन सारे कार्यो को करते हुए शिक्षक टूट सा जाता है। ऐसे शिक्षक का उपयोग भारत में ज्ञानदाता के रूप में नहीं बल्कि बाबुओं के रूप में होता है।

यह कार्य शिक्षित बेकार युवाओं को देना चाहिए। या फिर ग्राम विकास समिति मुख्य रूप से जिम्मेदारी उस कर्मियों को सौंपे, जिस विभाग से संबधित कार्य है तथा सहयोग हेतु शेष विभागों के कर्मियों को यथानुरुप कार्य विभाजित कर देना चाहिए।

4.3 परिणाम

1. शिक्षकों को शिक्षिकाओं की तुलना में जनगणना, पल्स-पोलियो, मतदाता सूची, परिवार नियोजन की जानकारी, चुनावी कार्य आदि कार्य ज्यादातर करने पड़ते हैं।

2. शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों को मध्यान्ह भोजन, जनगणना, पल्स-पोलियो, प्रौढ़ शिक्षा तथा साक्षरता, पशु गणना, परिवार नियोजन की जानकारी, आकस्मिक उत्पन्न बीमारियाँ तथा प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने का कार्य ज्यादातर करना पड़ता है।

3. शिक्षक-शिक्षिकाओं की तुलना में, शिक्षिकाओं ने अपने ज्यादातर मत दिए हैं कि, बी.पी.एल. सर्वेक्षण, जनगणना कार्य, बढ़ते पर्यवेक्षण, वित्त एवं लेखा कार्य, वाचन लेखन कार्यक्रम, अन्य शिक्षकों के प्रशासनिक कार्यो की जबावदारी का कार्य अधिक करना पड़ता है। इस कारण अध्यापन प्रभावित होता है।

4. शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों ने अपना मत दिया है कि परिवार नियोजन की जानकारी, साक्षरता तथा प्रौढ़

शिक्षा, मतदाता सूची, चुनावी कार्य, मध्यान्ह भोजन, अन्य शिक्षकों के प्रशासनिक कार्यो की जिम्मेदारी, जनगणना कार्य, बढ़ते पर्यवेक्षण, वित्त एवं लेखा कार्य, वाचन लेखन कार्यक्रम के कारण अध्यापन कार्य प्रभावित होता है।

5. शिक्षकों के बार–बार गैर शैक्षिक कार्यो से समुदाय में जाने से आम आदमी की नजर में उसके सम्मान, गरिमा, व्यक्तित्व व विश्वसनीयता में कमी आ रही है।

6. शिक्षक अपने अध्यापन कार्य से विमुख हो रहा है। इसके कारण उनके अध्यापन कार्य पर प्रशासनिक कार्यो का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

7. शिक्षा में गुणात्मकता तथा बच्चों की उपलब्धी स्तर में स्पष्टता कमी आ रही है।

8. शिक्षकों की ऊर्जा व क्षमताओं का सही इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है।

9. शिक्षण कार्य के अतिरिक्त शिक्षकों को शिक्षणोत्तर कार्य भी करने पड़ते है, जिसका प्रभाव उनके व्यवसाय एवं जीवन संतुष्टी पर पड़ता है।

10. प्रशासनिक निर्णयों में शिक्षकों की भागीदारी नही होती है।.

11. छोटे–छोटे कार्य के लिए प्रशासन से अनुमति प्राप्त करने में समय नष्ट होता है।

12. प्रशासनिक नीतियों में होने वाले बार–बार परिवर्तनों से शिक्षा में बाधा उत्पन्न होती है।

13. यह कार्य करने से शिक्षकों की शारीरिक तथा मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ रहा हैं।

14. शिक्षकों के अपने अध्यापन कार्यो में अंतराल (गैप) आने से समुदाय में उसे उपेक्षा व आक्रोश मिल रहा है।

15. शिक्षकों को अगर प्रशासनिक कार्यो का बोझ बढ़ता गया तो भविष्यकाल में कोई भी व्यक्ति शिक्षक बनना पसंद नहीं करेगा और आगे चलकर बिना शिक्षक के स्कूल खाली पड़ सकते है।

16. प्रशासकीय नीतयों का निर्धारण विद्यालय प्रशासन द्वारा नहीं होता है।

17. स्टाफ मीटिंग में निर्णय की अपेक्षा आदेश पालन पर बल दिया जाता हैं।

18. शिक्षक व्यक्तिगत तथा कक्षागत वास्तविक समस्याओं की प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करने से डरते है।